any serious imbalance in the ratio of debt to equity capital of the Company. Government is of the view that there need be no consequent disincentive to entrepreneurs and businessmen engaged in productive enterprises.

चांदी का तस्कर व्यापार करने वाले व्यक्ति की बम्बई में गिरफ्तारियां

1736. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री भारत सिंह चौहान :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि एक व्यक्ति को, जिसकी सरकार को, 100 करोड़ रुपये का चांदी का तस्कर व्यापार करने के सम्बन्ध में तलाश थी, सितम्बर अथवा अक्तूबर, 1970 में गिरफ्तार किया गया था; और

(ख) यदि हां, तो उक्त व्यक्ति के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) तथा (ख). जिस व्यक्ति पर कई करोड़ रुपये मूल्य की चांदी तथा अन्य वस्तुओं का तस्कर आयात-निर्यात करने का सन्देह है, उसका सहयोगी अक्तूबर, 1970 में गिरफ्तार किया गया था और उसे जेल की हिरासत में रखा गया ।

Foreign Exchange to Ex-Rulers

1737. SHRI HUKAM CHAND KACHWAI : Will the Minister of FINANCE be pleased to state the total amount of foreign exchange granted to ex-rulers for visiting foreign countries during the last two years ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : The Reserve Bank do not maintain statistics on the basis of the status of the persons as ex-rulers of States. If any spceific names are given, the information regarding foreign exchange sanctioned during the last two years to them could be given.

राष्ट्रीयकृत बैंकों में जमा धनराशि

1738. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री भारत सिंह चौहान :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय प्रत्येक राष्ट्रीकृत बैंक में कुल जमा धनराशि कितनी है; और

(ख) गत पांच महीनों की अवधि में लघु उद्योगों के विकास के लिये इन बैंकों द्वारा पृथक पृथक दिये गये अनुदानों और ऋणों की धनराशि कितनी कितनी है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) 19 जुलाई, 1969 को राष्ट्रीयकृत 14 भारतीय बैंकों के पास, जो 16 अक्टूबर, 1970 को—जो बिलकुल हाल की ऐसी तारीख है जिसके आकड़े उपलब्ध हैं, जो रकमें जमा थीं उनका ब्योरा संलग्न अनुबन्ध में दिया गया है ।

(ख) 31 अगस्त, 1970 को जो बिलकुल हाल की ऐसी तारीख है जिसके आंकड़े उपलब्ध हैं—समाप्त होने वाली पांच महीनों की अवधि में इन चौदह बैंकों द्वारा लघु उद्योगों को दिये गये ऋणों की बकाया रकम 198.74 करोड़ रुपये से बढ़कर 205.68 करोड़ रुपया हो गयी अर्थात् उसमें 6.9 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई ।

विवरण

	16 अक्टूबर, 1970 को कुल जमा रकमें (अन्तर—बैंक जमा रकमों को छोड़ कर (करोड़ रुपयों में)
1. सेण्ट्रल बैंक आफ इंडिया	508.32